an>

Need to raise Bundelkhand Regiment in Army.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर) ः बुंदेलखण्ड क्षेत्र का गौरवशाली सैन्य इतिहास रहा है और यहां का लोक साहित्य वीर रस से ओत-प्रोत है और इसका सिर्फ वाचन करने से ही जोश और ऊर्जा का संचार होता है। बुंदेलखण्ड प्राकृतिक रूप से कठिन परिस्थितियों में जीवन-यापन करने वाला क्षेत्र है, परंतु इस क्षेत्र का जन सामान्य, कर्मठ, ईमानदार और सेवाभाव जैसे मूल्यों से युक्त है। बड़े बुजुर्गों की सेवा, पशु सेवा, प्राकृतिक प्रेम मूल्य पारंपरिक रूप से क्षेत्र की जनता को प्राप्त है। बुंदेलखण्ड क्षेत्र की मानवीय गुणों तथा सैन्य कला के प्रति सामाजिक स्वीकार्यता को देखते हुए बुंदेलखण्ड रेजीमेंट बनायी जाए। जिस प्रकार अतीत में क्षेत्र विशेष के गुणों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न रेजीमेंट्स यथा- बिहार रेजीमेन्ट, कुमाऊँ रेजीमेन्ट, असम रेजीमेन्ट, सिक्किम स्काउट, अरूणाचल स्काउट इत्यादि का निर्माण किया गया है, उसी तरह बुंदेलखण्ड रेजीमेंट का भी निर्माण किया जा सकता है।